भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 6221

जिसका उत्तर 02.04.2026 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्गों का रखरखाव और मरम्मत

†6221. डॉ. नामदेव किरसान:

श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत:

श्री किशोरी लाल:

श्री बैन्नी बेहनन:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वित्तीय वर्ष 2018-19 से निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई के साथ-साथ निर्माण संबंधी कुल व्यय और निर्माण पूर्ण होने के पांच वर्षों के दौरान उनके रखरखाव और मरम्मत पर खर्च की गई निधि का वर्षवार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2021 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर वर्षवार और राज्य-वार घटित उन दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या कितनी है, जहाँ गड्ढे, सतह की खामियों या अधूरे निर्माण को सहायक कारकों के रूप में दर्ज किया गया था;

(ग) क्या समय से पहले सड़क खराब होने या खराब गुणवत्ता वाले निर्माण के कारण किसी ठेकेदार को दंडित किया गया है या ब्लैकलिस्ट में डाला गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) वित्तीय वर्ष 2018-19 से निर्मित या उन्नत किए गए राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई, उनके लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि, रखरखाव संबंधी व्यय और उक्त अवधि के दौरान उक्त राजमार्गों पर दर्ज की गई दुर्घटनाओं की संख्या सहित उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले से गुजरने वाले या निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण भारतमाला परियोजनाओं में हुई लागत संबंधी वृद्धि की समीक्षा की है और उक्त वृद्धि की सीमा का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) वित्तीय वर्ष 2018-19 से निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) की लंबाई और विगत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव पर किए गए व्यय का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)- वार और वर्ष-वार विवरण क्रमशः अनुलग्नक-I और अनुलग्नक-II में दिया गया है।

(ख) सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर "भारत में सड़क दुर्घटनाएं" रिपोर्ट प्रकाशित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न कारणों से हुई कुल सड़क दुर्घटनाओं की संख्या नीचे दी गई तालिका में है:-

वर्ष	राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या	राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या
2021	1,28,825	56,007
2022	1,51,997	61,038
2023	1,50,177	63,112
2024	1,50,958	64,772

(ग) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास एवं रखरखाव के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी है। राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यकारी एजेंसियों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान, 67 परियोजनाओं/खंडों में राष्ट्रीय राजमार्गों में प्रमुख कमियां पाई गई हैं। विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों में पाई गई प्रमुख कमियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण, सुधार कार्यों की स्थिति और संविदाकारों/रियायतग्राहियों के परामर्शदाताओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई अनुलग्नक-III में दी गई है। कमियों/क्षति के मामलों में दोषी एजेंसियों के विरुद्ध अनुबंध/रियायत करार के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाती है, जिसमें अनुबंध रद्द करना, जुर्माना/क्षतिपूर्ति लगाना, प्रतिबंधित करना/ब्लैकलिस्ट करना, गैर-निष्पादक घोषित करना आदि शामिल हैं।

(घ) उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल 377 किमी लंबाई को 2018-19 वित्तीय वर्ष से विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से विकसित/उन्नत किया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव के लिए निधि का आवंटन परियोजना-वार नहीं किया जाता है बल्कि राज्य-वार/एजेंसी-वार किया जाता है। पिछले पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव पर किए गए व्यय का राज्य-वार और वर्ष-वार विवरण अनुलग्नक-II में दिया गया है।

वर्ष 2021 से अमेठी जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर 344 सड़क दुर्घटनाओं की सूचना मिली है (डेटा 2021 में लागू किए गए ईलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट पर आधारित है)।

(ङ) उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतमाला परियोजना के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं सहित निर्माणाधीन 85 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं तीन वर्ष से अधिक विलंबित हैं, जिसके कारणों में भूमि अधिग्रहण, वैधानिक स्वीकृतियों/अनुमतियों, जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, अतिक्रमण हटाना, कानून व्यवस्था संबंधी मुद्दे, रियायतग्राही/संविदाकार की कार्यान्वयन क्षमता को प्रभावित करने वाले वित्तीय संकट, संविदाकार/रियायतग्राही का खराब निष्पादन कार्य और कोविड-19 महामारी, कानून में परिवर्तन आदि जैसी अप्रत्याशित घटनाएं शामिल हैं।

सरकार ने विलंब और लागत वृद्धि की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए विभिन्न पहलें की हैं। इनमें सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) और जीआईएस-आधारित भूमि अधिग्रहण योजना के साथ एकीकृत "भूमिराशि" पोर्टल का उपयोग करके भूमि अधिग्रहण और मुआवजे की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और त्वरित बनाना, वन और पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों में तेजी लाने के लिए "परिवेश" पोर्टल का

पुनर्गठन करना, सड़क उपरि पुल/सड़क अधोगामी पुल (आरओबी/आरयूबी) के सामान्य आरेखण (जीएडी) की ऑनलाइन स्वीकृति सक्षम करना और राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के सक्रिय सहयोग से चल रही परियोजनाओं में बाधाओं/रुकावटों की समीक्षा और समाधान की व्यवस्था का लाभ उठाना शामिल है। सरकार ने विभिन्न स्वीकृतियों के लिए निर्धारित समयसीमा के साथ रेलवे संबंधी स्वीकृतियों के लिए एक वेब पोर्टल भी शुरू किया है।

सरकार ने परियोजना की प्रगति की निगरानी के लिए कई कार्य-तंत्रों का उपयोग करते हुए एक मजबूत ढांचा तैयार किया है। परियोजना की प्रगति का आकलन करने के लिए हितधारकों के साथ विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं, विशेषकर उन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए जिनमें तीन वर्ष से अधिक की देरी हो चुकी है या जिनका ठेका/निर्धारण लंबित है। सभी विलंबित परियोजनाओं में लागत वृद्धि लागू नहीं होती है। यदि देरी संविदाकार के कारण नहीं है, तो अनुबंध की शर्तों के अनुसार लागत वृद्धि का भुगतान किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अतिरिक्त लागत लग सकती है या नहीं भी लग सकती है, यह परियोजना के वास्तविक पूर्ण होने पर निर्धारित मूल्य वृद्धि के अंतिम मूल्य पर निर्भर करता है। यदि देरी संविदाकार के कारण है, तो हर्जाना लगाया जाता है और देरी के कारण कोई अतिरिक्त लागत नहीं लगती है।

कई राज्य सरकारें परियोजना क्रियान्वयन को प्रभावित करने वाले मुद्दों का समाधान करने के लिए मुख्य सचिव के नेतृत्व में समन्वय बैठकें आयोजित करती हैं। जिन परियोजनाओं में मुद्दे अनसुलझे रह जाते हैं, उन्हें परियोजना निगरानी समूह के माध्यम से आगे की समीक्षा के लिए भेजा जाता है। इसके परिणामस्वरूप, फरवरी 2026 में 3 वर्ष से अधिक विलंबित परियोजनाओं की संख्या अप्रैल, 2024 में 152 से घटकर मार्च, 2026 में 79 रह गई है।

अनुलग्नक-।

'राष्ट्रीय राजमार्गों का रखरखाव और मरम्मत' के संबंध में डॉ. नामदेव किरसान,श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत, श्री किशोरी लाल और श्री बैन्नी बेहनन द्वारा पूछे गए दिनांक 02.04.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 6221 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

वित्तीय वर्ष 2018-19 से निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई (किमी में) का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**	**2025-26 (फरवरी तक)**
1	आंध्र प्रदेश	438	587	515	347	438	799	757	**665**
2	अरुणाचल प्रदेश	157	94	135	206	320	262	152	**58**
3	असम	323	247	567	318	310	272	344	**244**
4	बिहार	333	197	691	576	488	497	465	**249**
5	छत्तीसगढ़	397	198	247	320	243	251	308	**233**
6	गोवा	11	30	49	65	16	11	27	**6**
7	गुजरात	303	292	361	249	658	622	500	**420**
8	हरियाणा	226	220	406	290	358	300	287	**75**
9	हिमाचल प्रदेश	157	76	89	146	139	251	166	**121**
10	झारखंड	287	298	358	298	245	248	202	**125**
11	कर्नाटक	779	500	425	419	393	741	477	**348**
12	केरल	121	186	344	76	171	282	193	**54**
13	मध्य प्रदेश	829	714	877	871	667	792	894	**674**
14	महाराष्ट्र	2293	2422	2870	1534	1087	1463	1203	**937**
15	मणिपुर	318	304	224	221	269	202	216	**68**
16	मेघालय	13	0	36	26	98	162	154	**47**
17	मिजोरम	59	42	169	239	205	209	126	**44**
18	नागालैंड	34	68	197	254	236	159	230	**108**
19	ओडिशा	534	441	683	544	410	357	330	**223**
20	पंजाब	209	344	188	150	274	409	227	**186**
21	राजस्थान	728	1018	825	722	715	868	794	**582**
22	सिक्किम	83	29	39	45	49	78	58	**6**

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26 (फरवरी तक)
23	तमिलनाडु	356	204	447	470	690	814	613	**390**
24	तेलंगाना	370	340	227	236	172	513	416	**185**
25	त्रिपुरा	41	5	78	181	204	47	51	**21**
26	उत्तर प्रदेश	882	694	917	824	642	939	906	**855**
27	उत्तराखंड	237	357	577	354	219	216	148	**80**
28	पश्चिम बंगाल	127	174	400	169	284	190	121	**47**
29	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	61	65	113	39	25	11	18	**10**
30	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	0	0	3	0	0	0	0	**6**
31	दिल्ली	42	38	20	5	43	53	10	**6**
32	जम्मू और कश्मीर	95	46	234	263	217	243	214	**124**
33	लद्दाख	0	4	7	0	51	81	50	**17**
34	पुदुचेरी	12	3	7	0	0	11	0	**0**

अनुलग्नक-।।

'राष्ट्रीय राजमार्गों का रखरखाव और मरम्मत' के संबंध में डॉ. नामदेव किरसान, श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत, श्री किशोरी लाल और श्री बैन्नी बेहनन द्वारा पूछे गए दिनांक 02.04.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 6221 के भाग (क) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव पर किए गए व्यय का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण।

(राशि करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
1	आंध्र प्रदेश	4,281	5,890	6,957	11,440	11,756
2	अरुणाचल प्रदेश	2,512	2,718	3,140	2,649	3,599
3	असम	3,753	3,150	4,557	9,137	7,207
4	बिहार	6,716	9,174	9,347	10,749	8,840
5	छत्तीसगढ़	2,224	1,936	2,468	4,255	2,280
6	गोवा	734	615	673	620	651
7	गुजरात	7,533	10,710	9,831	10,900	8,091
8	हरियाणा	10,651	7,203	3,924	6,062	4,344
9	हिमाचल प्रदेश	2,033	3,164	4,534	5,175	3,994
10	झारखंड	2,627	2,853	3,127	4,599	5,169
11	कर्नाटक	5,838	7,681	6,763	12,695	10,819
12	केरल	12,831	10,136	3,994	10,419	5,082
13	मध्य प्रदेश	8,250	9,006	6,210	7,447	7,799
14	महाराष्ट्र	20,844	18,655	18,355	19,867	18,512
15	मणिपुर	978	2,142	2,737	2,598	2,011
16	मेघालय	861	819	684	1,803	1,697
17	मिजोरम	1,238	2,054	3,218	2,189	2,091
18	नागालैंड	2,382	1,943	1,666	1,414	1,600
19	ओडिशा	5,336	4,510	4,643	5,948	5,786
20	पंजाब	3,301	7,179	10,093	12,419	7,898
21	राजस्थान	7,340	11,353	9,719	8,874	6,301

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
22	सिक्किम	1,053	811	1,008	684	441
23	तमिलनाडु	4,868	4,305	8,230	9,925	9,068
24	तेलंगाना	2,907	3,458	3,622	6,117	7,496
25	त्रिपुरा	1,026	1,085	1,156	1,546	767
26	उत्तर प्रदेश	18,768	13,944	21,453	28,114	20,665
27	उत्तराखंड	2,800	2,112	3,219	4,545	3,835
28	पश्चिम बंगाल	2,658	3,642	3,053	3,543	2,240
29	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	349	246	143	96	204
30	चंडीगढ़	2	6	1	0	0
31	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	43	30	26	2	46
32	दिल्ली / मुख्यालय	-1,482	3,961	7,164	3,223	2,840
33	जम्मू और कश्मीर	2,932	6,817	7,370	10,528	10,204
34	लद्दाख	24	352	574	658	768
35	पुदुचेरी	21	1	61	35	23

[वर्ष के दौरान राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के सामने ऋणात्मक आंकड़ा उस राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से दूसरे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में परियोजना/व्यय के हस्तांतरण को दर्शाता है]

अनुलग्नक-।।।

'राष्ट्रीय राजमार्गों का रखरखाव और मरम्मत' के संबंध में डॉ. नामदेव किरसान, श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत, श्री किशोरी लाल और श्री बैन्नी बेहनन द्वारा पूछे गए दिनांक 02.04.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 6221 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष में राष्ट्रीय राजमार्गों के प्रमुख हिस्सों में पाई गई कमियों का सुधार कार्यों की स्थिति और संविदाकारों/रियायतग्राहियों/परामर्शदाताओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार विवरण।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
अरुणाचल प्रदेश	1	अरुणाचल प्रदेश राज्य में एनएच -713ए और एनएच -13 के पापु - युपिया - होज - पोटिन खंड पर किमी 31.000 (होज मार्केट), किमी 38.300 (याबी गांव), किमी 39.000 (झरना), किमी 39.700 (अप्पा क्रशर) और किमी 40.300 (क्रशर प्वाइंट) पर स्लिप जोन का स्थायी समाधान	2024	आर.ई. दीवार ढह गई	संविदाकार द्वारा शुरू किए गए दोषपूर्ण कार्य का सुधार। संविदाकार पर अनुबंध मूल्य का 5% जुर्माना
आंध्र प्रदेश	2	हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर भारतमाला परियोजना के तहत आंध्र प्रदेश राज्य में एनएच-16 के विजयवाड़ा-गुंडुगोलानु खंड में चिन्ना औटुपल्ली (डिजाइन चैनेज 0+000) से गोलापुडी (डिजाइन चैनेज 30+000) तक विजयवाड़ा बाईपास को छह लेन का बनाना।	2024	आर.ई. वॉल के निर्माण में दोष।	रियायतग्राही ने आर.ई. वॉल विशेषज्ञ की सिफारिश/सुझाव के आधार पर सुधार कार्य शुरू किया। रियायतग्राही से क्षतिपूर्ति के रूप में 10,99,235 /- रुपये वसूल किए गए।
	3	ईपीसी मोड पर भारतमाला परियोजना के अंतर्गत	2025	आरई दीवार के निर्माण में दोष।	संविदाकार ने अपने खर्च पर त्रुटि को सुधारा।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		एनएचडीपी चरण-V के तहत आंध्र प्रदेश राज्य में 6-लेन हनुमान जंक्शन बाईपास (मौजूदा किमी 1055.680 से किमी 1060.800) (डिजाइन च.0.000 से च.6.720) (कुल डिजाइन लंबाई: 27.40 किमी) सहित एनएच-5 के कलपरू (डिजाइन किमी 1050.680) से चिन्ना अवुतुपल्ली (डिजाइन किमी 1076.480) तक मौजूदा 4-लेन सड़क को 6 लेन का बनाना(पैकेज-2)			अनुबंधीय प्रावधानों के अनुसार संविदाकार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
बिहार	4	बिहार राज्य में ईपीसी मोड पर एनएच-31 के सिमरिया-खगड़िया खंड को किमी 206.050 से किमी 266.282 (डिजाइन चैनेज) और (एनएच-31 के मौजूदा चैनेज किमी 209.945 से किमी 270.000 तक) चार लेन का बनाना	2023	सीआरआरआई द्वारा किमी 264.946 पर पुल के अधिसंरचना के कंक्रीट की गुणवत्ता में रिपोर्ट की गई समस्याएं	सीआरआरआई रिपोर्ट में सिफारिश के अनुसार संविदाकार द्वारा मरम्मत कार्य शुरू किया गया
	5	वाराणसी - मोहनिया (जीटीआरआईपी/5; पैकेज - IV ए): उत्तर प्रदेश और बिहार में एनएच-2 पर एनएच-2 के किमी 65 से किमी 317 तक मौजूदा 2 लेन खंड का 4 लेन	2023	संरचनात्मक तत्वों में प्रमुख कमियाँ	संविदाकार पर 25 करोड़ रुपये का हर्जाना लगाया गया
	6	एनएच-19 (एनएच-31) का छपरा-हाजीपुर खंड	2023	किमी 145+280 पर बड़े पुल के डेक स्लैब से कंक्रीट का गिरना और किमी 157+860 पर	रियायतग्राही के परियोजना प्रबंधक और पुल इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया था। रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
				आरओबी के डेक स्लैब से कंक्रीट का गिरना।	के खर्च पर पुनर्निर्माण पूरा किया गया।
	7	उमागांव-सहरसा पैकेज-IV (कोसी पुल और पहुंच मार्ग)	2024	निर्माण के दौरान एक गर्डर गिर गया।	संविदाकार के मुख्य परियोजना प्रबंधक और इंजीनियर (लॉन्चिंग) को निलंबित कर दिया गया।
छत्तीसगढ़	8	एनएच-200 (एनएच-130) के सिमगा-सरगांव खंड को किमी 48+580 से किमी 91+026 तक 4 लेन का बनाना	2024	सीमेंट कंक्रीट पैनलों में दरारें	ईपीसी संविदाकार की लागत सुधार कार्य पर शुरू किया गया
	9	एनएच 200 (नया एनएच 49) (पैकेज-III) पर बिलासपुर उरदावल खंड के किमी 241.553 से 312.60 = 71.0476 किमी (मसनियालाला से रेंगापाली) में पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन (किमी 217.358 पर बोराई नदी एमएनबी)	2025	छोटे पुल के स्लैब को नुकसान	यह कार्य दोष दायित्व अवधि में है और संविदाकार द्वारा अपने खर्च पर किया गया है।
हरियाणा	10	हीरो होंडा चौक एनएच 48 पर फ्लाईओवर और अंडरपास	2024	डेक स्लैब का कुछ हिस्सा बिटुमिनस सतह के धंसने के साथ नीचे गिर गया (एमसीडब्ल्यू-01) चैनेज 36+350 पर आरएचएस	क्षतिपूर्ति की वसूली हेतु संविदाकार को मध्यस्थता नोटिस जारी किया गया। सुधार एवं मरम्मत कार्य की प्रक्रिया शुरू की गई।
	11	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 2	2024	रटिंग	प्राधिकरण ने रखरखाव में देरी के लिए संविदाकार पर 48,61,243/- रुपये का हर्जाना लगाया है। संविदाकार द्वारा गड्ढों को ठीक करने का काम शुरू कर दिया गया है और गड्ढे वाले अधिकांश हिस्से को ठीक कर दिया गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	12	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 3	2024	रटिंग	प्राधिकरण ने रखरखाव में देरी के लिए संविदाकार पर 42,95,049/- रुपये का हर्जाना लगाया है। संविदाकार द्वारा गड्ढों को ठीक करने का कार्य शुरू कर दिया गया है और गड्ढे वाले अधिकांश हिस्से को ठीक कर दिया गया है।
गुजरात	13	सांचौर-संतालपुर पैकेज-4	2025	जून माह 2025 में बारिश के बाद गड्ढे, दरारें और सतह विरूपण/समस्या देखी गई, कुछ स्थानों पर गहरी रटिंग हो गई	संविदाकार पर ₹2.8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है और एक वर्ष तक या सफलतापूर्वक सुधार होने तक, जो भी बाद में हो, उस पर रोक लगाने की सिफारिश की गई है। संविदाकार ने मरम्मत/पुनर्स्थापना कार्य शुरू कर दिया है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक को निलंबित कर दिया गया है।
झारखंड	14	एनएचडीपी चरण -III के तहत ईपीसी पैटर्न पर झारखंड राज्य में एनएच-33 (किमी.277 + 500 से किमी.333 + 500 तक) और एनएच-06 (किमी.199 + 200 से किमी.183 + 587 तक) (71.61 किमी की लंबाई) के महुलिया-बहारागोरा-जेएच/डब्ल्यूबी सीमा खंड को चार लेन का बनाना।	2024	टूटे हुए पीक्यूसी पैनल, गड्ढे	संविदाकार पर 1.55 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
कर्नाटक	15	एनएच-948 के बेंगलुरू खंड तक बीआरटी टाइगर रिजर्व सीमा को दो/चार लेन का बनाया जाना	2025	किमी 337+670 से किमी 337+680 आरई 10 मीटर लंबाई का ब्लॉक ढह गया	रियायतग्राही ने मरम्मत/पुनर्स्थापना कार्य शुरू कर दिया है (आईआईएससी बैंगलोर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की सिफारिश के अनुसार।)
	16	कर्नाटक राज्य में एनएच-66 (पूर्व में एनएच-17) के गोवा-कर्नाटक सीमा से कुंदापुर खंड तक किमी 93.700 से किमी 283.300 तक चार लेन का कार्य एनएचडीपी-IV के तहत डीबीएफओटी पैटर्न पर बीओटी परियोजना के रूप में निष्पादित किया जाएगा:	2024	काली पुल के तीन हिस्सों के ढहने की घटना। ढलान स्थिरता कार्य अपर्याप्त।	संविदाकार को अगस्त 2024 में 1 महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया
केरल	17	कलमस्सेरी से वल्लारपदम एनएच 966ए तक वल्लारपदम में आईसीटीटी के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग संपर्कता	2025	पुल संख्या 07 और 08 चैनेज 7+960 और चैनेज 9+067 (बीएचएस) पर पाइल फाउंडेशन में संकट देखा गया।	संविदाकार पर 30.74 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया
	18	कोडुगल्लूर से एडापल्ली एनएच 66	2025	पाइल नींव में क्षति चैनेज 398+400 और 398+989 (आरएचएस)	रियायतग्राही को 1 वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया।
	19	एनएच -66 का चेंगला-नीलेश्वरम खंड	2025	दिनांक 16.06.2025 को चैनेज 58+035 से चैनेज 58+100 (आरएचएस) पर मृदा नेलिंग ढहने की घटना घटी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।	प्राधिकरण ने रियायतग्राही और उसके प्रमोटर को भविष्य में बोली लगाने से एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है। रियायतग्राही पर प्रतिबन्ध भी जारी किया गया है। एई के वरिष्ठ पुल अभियंता को साइट से हटा दिया गया है।
	20	एनएच -66 का नीलेश्वरम-थालिपरंभा खंड	2025	कटे हुए भाग में असुरक्षित मिट्टी का	सुधार कार्य किया गया और मध्य भाग में एहतियाती

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
				खिसकना तथा कैरिजवे पर मलबा जमा होना।	बैरिकेडिंग के साथ यातायात बहाल कर दिया गया।
	21	एनएचएआई - भारतमाला परियोजना के तहत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर केरल राज्य में डिजाइन चैनेज 298+500 (एक्स. किमी 304.250) से डिजाइन चैनेज 335+850 (एक्स. किमी 349.260) तक एनएच - 66 (पुराना एनएच -17) के वलनचेरी बाईपास की शुरुआत से कपिरिक्कड़ खंड तक छह लेन का कार्य	2025	आरई वॉल ढह गई	संविदाकार और स्वतंत्र इंजीनियरिंग फर्म को 01 महीने की अवधि के लिए या विशेषज्ञ समिति द्वारा जांच पूरी होने तक, जो भी बाद में हो, चालू/भविष्य की बोली में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।
	22	थुरवूर-परवूर	2025	निर्माण के दौरान 4 पीएससी गर्डरों का ढहना	एनएचएआई ने 15.35 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। ब्रिज इंजीनियर और एई के टीम लीडर को बर्खास्त कर दिया गया।
	23	भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर केरल राज्य में एनएच-47 (नया एनएच-66) के किमी 486+000 से किमी.517+800 तक कोल्लम बाईपास से कदम्बट्टुकोणम तक छह लेन का निर्माण	2025	किमी चैनेज 497+370 (आरएचएस) पर छोटे पुल (निर्माणाधीन) के मचान का टूटना/गिरना	रियायतग्राही पर 9.55 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया
	24		2025	आरई वॉल चैनेज 504+400 से 504+500 (एलएचएस) की विफलता	रियायतकर्ता द्वारा शुरू की गई सुधार।
	25	एनएच 66 के अरूर से थुरवूर थेक्कू खंड तक जमीनी स्तर पर मौजूदा 4 लेन सड़क के विकास के साथ-साथ 6एल एलिवेटेड कॉरिडोर	2025	स्पैन पी-202-पी-203 पर दो पीएससी गर्डरों का गिरना प्रक्षेपण में प्रयुक्त सामग्री की प्रभावकारिता की समीक्षा करने में एई की ओर से विफलता	संविदाकार और एई को एक महीने के लिए भविष्य में बोली लगाने से रोक दिया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
				तथा अनुमोदित प्रक्षेपण योजना का अनुप्रयोग सुनिश्चित न करना।	
	26	अझियूर-वेंगालम	2024	मृदा नेलिंग का ढहना किमी: 191 (एलएचएस) और किमी: 193 (आरएचएस) पर सॉइल नेलिंग	रियायतग्राही द्वारा सुधार कार्य शुरू किए गए ।
	27	रामनट्टुकरा-वलंचरी	2025	आरई दीवार में दोष	सुधार कार्य संविदाकार द्वारा अपने खर्च पर शुरू किया गया।
	28	थलीपरम्बा-मुझापिलंगाडु	2026	रिटेनिंग वॉल का खिसकना और भूमि सुधार कार्यों में दोष।	क्षतिग्रस्त हिस्से को तोड़ दिया गया और रियायतग्राही द्वारा सुधार कार्य शुरू किया गया।
मध्य प्रदेश	29	एनएच-46 के भोपाल-बायोरा खंड का 4 लेन में निर्माण	2025	फुटपाथ की समयपूर्व विफलता।	संविदाकार पर 119 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। संविदाकार की लागत से सुधार कार्य शुरू किया गया
महाराष्ट्र	30	एनएच-66 के किमी.0.0 से किमी.42.3 तक पनवेल से इंदापुर खंड के 4-लेन बनाने के लिए शेष कार्य - ईपीसी	2024	पैनल में दरार, खराब सवारी गुणवत्ता, धक्के, खराब मोड़ आदि।	संविदाकार ने सुधार कार्य शुरू कर दिया है।
	31	मेहकर-अजीसपुर रोड	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार की निष्पादन गारंटी जब्त कर ली गई है। क्षति की क्षतिपूर्ति हेतु प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
	32	भोकर-सरसम	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	33	सिल्लोड-फर्दापुर	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	34	महाराष्ट्र राज्य में एनएच-66 (पूर्ववर्ती एनएच-17) को किमी 241+300 से 281+300 (अरावली से कांटे खंड) तक हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर एनएचडीपी-IV के तहत पेव्ड सड़क सहित चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन ।	2025	पीक्यूसी में धसाव और दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	35	हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर एनएचडीपी-IV के तहत महाराष्ट्र राज्य में एनएच-66 (पुराना एनएच 17) का किमी 281+300 से किमी 332+200 (कांटे से वेकेड खंड) तक चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन।	2024	पीक्यूसी दरारें और निपटान।	संविदाकार ने टूटे हुए पैनलों को बदल दिया है।
	36	महाराष्ट्र राज्य में एनएचडीपी-IV के अंतर्गत ईपीसी मोड पर एनएच-66 (पुराना एनएच-17) का किमी 332/200 से किमी 367/200 (वातुल से तालगांव खंड) तक चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन।	2024	पीक्यूसी में पूर्ण गहराई वाली दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	37	तलेरे गगनबावड़ा कोल्हापुर रोड (एनएच-166जी) के खंडों का पुनर्स्थापन और उन्नयन, एनएच-166जी के चैप्टर 6/00 किमी से चैप्टर 11/00 किमी तक और चैप्टर 19/300 किमी (करुल घाट की शुरुआत) से 35/300 किमी (गगनबावड़ा के अंत)	2025	पीक्यूसी में दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		तक, महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर/2 लेन कॉन्फ़िगरेशन लेन, लंबाई 21.00 किमी तक।			
	38	महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर कराड से तासगांव एनएच 266 पर किमी 0/00 से 58/830 तक पेव्ड सड़क सहित दो लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन	2024	टूटे हुए पैनल	क्षति की भरपाई संविदाकार के जोखिम और लागत पर की जाएगी।
	39	महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर एनएच 753 के सलाईखुर्द से तिरोदा किमी 120/100 से 163/200 (डिजाइन किमी 44/00 से 87/00) तक पेव्ड सड़क के साथ दो लेन का उन्नयन	2024	निर्माण के बाद कठोर फुटपाथ में दोष देखे जाते हैं, जैसे अनुदैर्ध्य और पार्श्व दरारें बनना, केंद्रीय जोड़ों का खुलना, पैनलों का बैठना आदि।	आईआईटी बॉम्बे को दोषों की तकनीकी जांच और उपचारात्मक उपायों के सुझाव के लिए नियुक्त किया गया है।
राजस्थान	40	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेस एनई-4 पैकेज 06	2024	गड्ढे, रेनकट, और जल जमाव	रियायत करार के प्रावधान के अनुसार तय समय में कमियों को ठीक न करने पर हर संविदाकार पर 50 लाख रुपये की शास्ति लगाई गई।
	41	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 07	2024		
	42	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 08	2024		
	43	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 09	2024		
	44	भारतमाला परियोजना-चरण-I के तहत राजस्थान राज्य में सांगरिया (चौटाला के पास)-	2024	राइडिंग क्वालिटी और सेटलमेंट में कुछ अवस्थानों पर कमी देखी	(i) संविदाकार पर 50.00 लाख रुपये का हर्जाना लगाया गया। (ii) अथॉरिटी इंजीनियर टीम

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		रासीसर (बीकानेर के पास) खंड के किमी 28+70 से किमी 53+0 तक 6-लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग का निर्माण। (एजे/एसआर-पैकेज-2)		गई	के दो खास लोगों को खराब पर्यवेक्षण की वजह से नौकरी से निकाल दिया गया।
	45	भारतमाला परियोजना - चरण-I के तहत राजस्थान राज्य में अमृतसर-जामनगर आर्थिक कॉरिडोर के हिस्से के तौर पर रारा-754के के संगरिया (चौटाला के पास) - रासीसर (बीकानेर के पास) खंड के किमी 53+000 से किमी 88+000 तक 6-लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग का निर्माण। (एजे/एसआर-पैकेज-3)	2024	83 मी. सिंगल स्पैन ट्रस ब्रिज के उद्घाटन के दौरान नोज़ स्ट्रक्चर में खराबी	संविदाकार पर 1.00 करोड़ रु. की शास्ति लगाई गई और भविष्य में ऐसा करने पर उसे प्रतिबंध की कार्रवाई की चेतावनी दी गई। एनएचएआई के कामों में फैब्रिकेशन टीम और डिज़ाइनर टीम को 02 साल के लिए प्रतिबंधित किया गया। अथॉरिटी इंजीनियर पर 20 लाख रुपये का जुर्माना और भविष्य में ऐसा करने उसे प्रतिबंध की कार्रवाई की चेतावनी दी गई। अथॉरिटी इंजीनियर द्वारा तैनात सीनियर ब्रिज इंजीनियर को एनएचएआई के कामों में 2 साल के लिए प्रतिबंधित किया गया।
	46	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 4	2024	रटिंग और पहुंमार्ग का सेटलमेंट	कमियों को हमेशा के लिए ठीक करने के लिए विस्तृत अध्ययन के लिए आईआईटी, खड़गपुर को सौंपा गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	47	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 5	2024	आरई दीवार का उबड़-खाबड़ होना, पहुंचमार्ग का बैठना और उभार होना	अनुरक्षण में देरी के लिए 88.32 लाख रुपये का हर्जाना लगाया गया। सीआर आरआई के सुझावों के अनुसार आरई दीवार के उभार को ठीक कर दिया गया है। ज़्यादातर गड्ढे ठीक कर दिए गए हैं। इसके अलावा, ऊपर बताई गई चीज़ों के अलावा, आईआईटी खड़गपुर को कमियों को हमेशा के लिए ठीक करने के लिए विस्तृत अध्ययन के लिए लगाया गया है।
	48	दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड संरेखण (रारा-148एन) (पैकेज-16) चै. 427.300 से चै. 452.420) [नयागांव के पास जागीर गांव से राजस्थान/एमपी सीमा तकली नदी पर बड़ा पुल]	2024	यह खंड 30.11.2023 से चालू है और कुछ जगहों पर संरचना के रास्ते में सेटलमेंट देखे गए हैं।	ईपीसी संविदाकार ने नुकसान ठीक कर दिया है।
	49	राजस्थान के नागौर जिले में रारा-65 पर जोधपुर-अजमेर रोड पर किमी 172.990 पर मौजूदा लेवल क्रॉसिंग नंबर सी-64 के स्थान पर प्रस्तावित 2-लेन आरओबी और इसके पहुंचमार्ग का निर्माण	2024	काम पूरा होने के बाद, खराब कारीगरी की वजह से आरओबी के डेक स्लैब में हनी कॉम्बिंग की वजह से स्ट्रक्चरल खराबी देखी गई है।	संविदा समाप्त कर दिया गया है। संविदाकार का निष्कासन/ विवर्जन (डिबारमेंट) की कार्र्वाई शुरु कर दी गई है। सुधार कार्य के लिए बोलियां मंगाई गई है।
	50	सेथियाथोप - चोलपौराम खंड को 65.960 किमी से 116.440 किमी तक 4 लेन का बनाना	2025	ए2 (तंजावुर) साइड एप्रोच (एलएचएस साइड) के आरई वॉल पैनल का हिस्सा जियो ग्रिड से अलग हो गया	सुधार कार्य रियायतकर्ता द्वारा अपने स्वयं के खर्च पर पूरा किया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
				है और नीचे गिर गया है।	
	51	तंजावुर - त्रिची खंड को 80.000 किलोमीटर से 136.490 किलोमीटर तक 4 लेन का बनाना	2023	ए1 (तंजावुर) साइड एप्रोच (एलएचएस साइड) के आरई वॉल पैनल का हिस्सा जियो ग्रिड से अलग हो गया है और नीचे गिर गया है।	विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर, संविदाकार द्वारा सॉइल नेलिंग का उपयोग करके बहाली का कार्य पूरा किया गया।
उत्तर प्रदेश	52	हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर उत्तर प्रदेश राज्य में रारा-731ए के किमी 35.00 से 49.155 तक पेव्ड शोल्डर सहित 4 लेन ग्रीन फील्ड राजमार्ग का	2025	कुछ हिस्सों में बारिश का पानी रिसने के कारण डीबीएम पर दरारें देखी गईं।	परियोजना अभी निर्माणाधीन है, रिपेयर और सुधार का कार्य रियायतग्राही ने अपने खर्च पर किया है।
	53	लखनऊ रिंग रोड पैकेज-3ए	2024	2.886 किमी की लंबाई में पीक्यूसी पैनल में दरारें।	संविदाकार ने नुकसान को ठीक करने की प्रक्रिया शुरू कर दिया है।
उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	54	रारा-74 के हरिद्वार-नगीना खंड पर 4 लेन	2023	पीक्यूसी पैनल में दरारें	संविदाकार ने नुकसान को ठीक करने का प्रक्रिया शुरू कर दिया है।
उत्तराखंड	55	उत्तराखंड राज्य में एनएच-134 (पुराना एनएच-94) के साथ पड़ने वाले चैनेज 25.400 किलोमीटर और चैनेज 51.000 किलोमीटर के बीच धरासू - यमुनोत्री खंड पर पहुंचमार्ग सहित 2-लेन द्वि-दिशात्मक सिल्क्यारा बेंड बरकोट सुरंग का निर्माण, संचालन और रखरखाव	2023	सिल्क्यारा टनल में कैविटी ढह गई ।	ईपीसी संविदाकार ने अपने खर्च पर सुधार के उपाय किए। जांच कमिटी की रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
पश्चिम बंगाल	56	ईपीसी मोड पर पश्चिम बंगाल राज्य में रारा-32 (लंबाई 10.315 किमी) के पुरुलिया बाईपास खंड के किमी 84.030 से किमी 94.345 तक 4-लेन का निर्माण	2025	नए बने पीक्यूसी में दरारें आ गई हैं।	i) संविदाकार ने सुधार का काम शुरू किया। संविदाकार के बिल से 20.00 लाख रुपये काट लिए गए। ii) एई के खास लोगों को एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।
	57	पश्चिम बंगाल राज्य में चिचरा से खड़गपुर किलोमीटर 185.150 से किलोमीटर 134.400 तक रारा-6 को पेव्ड शोल्डर सहित चार लेन का बनाना , जिसमें किलोमीटर 134.400 से किलोमीटर 129.600 तक मौजूदा चार लेन का सुधार भी शामिल है।	2023	पीक्यूसी पैनलों में दरारें	ईपीसी संविदाकार के जोखिम और लागत पर मरम्मत किया गया।
	58	एनएच-12 (पुराना एनएच-34) के बरहामपुर-फरक्का खंड को चार लेन का बनाना	2024	अहिरोन ब्रिज (चैप्टर 257+440 लेफ्ट-लेफ्ट एमजेबी-ट्रस) के पी2 पर पॉट-पीटीएफई बेयरिंग के मेम्ब्रेन पैड में खराबी पाई गई। साथ ही, डेक-I और डेक-II के विस्तार जोड़ के बीच 90 मिमी तक का लेवल अंतर देखा गया, और कनेक्टिंग गसेट प्लेटों के कुछ एंकरिंग बोल्ट गायब थे।	रियायतग्राही पर 26.19 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। सुधार कार्य पूरा हो गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	59	एनएच-12 (पुराना एनएच-34) के फरक्का-रायगंज खंड को चार लेन का बनाना	2024	महानंदा पुल के 325+060 किमी (बाएं ओर) पर डेक स्लैब के निचले हिस्से में दरार। यह दरार स्पैन पी1 और पी2 (पीएससी गर्डर) के बीच फास्ट लेन के नीचे स्थित थी। एमजेबी के आरएचएस पियर 4 पर 325+223 पर, खंभे और भारी सुदृढीकरण खुले हुए थे। खुले हुए सुदृढीकरण में जंग लग गई थी।	सुधार कार्य पूर्ण हो गया है।
	60	एनएच-12 (पुराना एनएच-34) के बरहामपुर-फरक्का खंड को चार लेन का बनाना	2025	सड़क के किनारे गड्ढे, दरारें	रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के खर्च पर सुधार कार्य शुरू किया गया।
	61	बीओटी (टोल) आधार पर भारतमाला परियोजना के तहत पश्चिम बंगाल राज्य में निष्पादित किए जाने वाले राष्ट्रीय कॉरिडोर एनएच-19 को पलसित से डंकुनी (एनएच-6 कनेक्टर तक) तक 588.870 किमी से 652.700 किमी तक छह लेन का बनाया जाना।	2026	आरई दीवार का ढ़हना	टोल निलंबित कर दिया गया है। आईई और रियायतग्राही के 2 प्रमुख कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।
ओडिशा	62	एनएच-16 का चंडीखोले-भद्रक खंड	2023	1. किमी 96+326 पर पुल का खराब डिज़ाइन: 2. किमी 79+614 पर पुल:	1. किमी 96+326 पर खराब डिज़ाइन के लिए, रियायतग्राही पर 30 लाख रु. और स्वतंत्र इंजीनियर पर 5 लाख रु. की शास्ति लगाई गई। आईई के

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
				कैंटिलीवर टूटने की वजह से स्पैन ए1-पी1, पियर पी2 से अलग हो गया था घाट का एक हिस्सा टूटकर ज़मीन पर गिर गया था। ग्रिड "पी2" पर पियर कैप में चौड़ी दरारें (3-4 मिमी तक) दिखना। डेक स्लैब और उखड़े हुए स्पैन के गर्डर को नुकसान।	टीम लीडर और रियायतग्राही के खास लोगों को निलंबित कर दिया गया। किमी 79+614 पर पुल के लिए : संविदाकार पर 5 करोड़ रुपये और पर्यवेक्षण परामर्शदाता पर 20 लाख रु. की शास्ति लगाई गई। डीपीआर परामर्शदाता को 1 साल के लिए बैन किया गया। पूरे सुधार के उपायों / पुर्ननिर्माण का खर्च रियायतग्राही से वसूला गया।
असम	63	ईपीसी आधार पर भारतमाला परियोजना के तहत असम राज्य में एनएच-31 और एनएच-31सी [नया एनएच-27 (ईडब्ल्यू)] के खंडों पर बोंगाईगांव, चापागुरी, पाठशाला, सिमलागुरी चौक और बैहाटा जंक्शनों पर 6-लेन के स्टैंडअलोन फ्लाईओवर का निर्माण	2024	बैहाटा फ्लाईओवर (स्पैन पी1-पी2) पर एक पीएससी गर्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।	संविदाकार पर शास्ति लगाई गई। संविदाकार को 4 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया।
मेघालय	64	मेघालय राज्य में एनएच -44 के जवाई-मेघालय असम सीमा खंड में किमी 69.200 से किमी 173.200 तक (डिज़ाइन चैनेज 171.455) पेव्ड शोल्डर विन्यास के साथ दो लेन का बनाना	2025	लगभग 10-15 मीटर की लंबाई के लिए बिटुमिनस कंक्रीट का स्लिपेज	संविदाकार पर 20,00,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया और संविदाकार द्वारा अपने खर्च पर सुधार कार्य किया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
दिल्ली	65	ईपीसी मोड पर दिल्ली राज्य में एनएच-8 के किमी 20 पर शिव मूर्ति चौराहे से द्वारका सेक्टर-21 के पास सड़क अधोगामी पुल (आरयूबी) तक (किमी -0.600 से 5.300 तक) द्वारका एक्सप्रेसवे पैकेज-1 का निर्माण	2023	द्वारका एक्सप्रेसवे पर शिव मूर्ति इंटरचेंज के फ्लाईओवर हिस्से का पी8-पी9 गिर गया।	संविदाकार द्वारा किए गए उपचारात्मक उपाय।
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	66	ईपीसी मोड पर संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एनएच-4 के अंडमान ट्रंक रोड के किमी 181.00 से किमी 206.00 खंड तक हॉर्ड शोल्डर के साथ इंटरमीडिएट लेन में पुनर्स्थापन (कुल लंबाई 25.00 किमी)" (पैकेज-VII)	2024	अलग-अलग जगहों पर फुटपाथ का धंसना।	सुधार का काम पूरा हो गया।
	67	ईपीसी मोड पर संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दक्षिण अंडमान और बाराटांग द्वीप को जोड़ने वाले एनएच- 223 (नया एनएच-4) के किमी 21.717, किमी 23.150, किमी 88.300, किमी 92.100 पर 4 छोटे पुलों का निर्माण	2024	बीडी नाला पर किमी 88+300 पर बने छोटे पुल के डेक स्लैब (बाईं ओर) में पंचिंग और खराब कारीगरी समेत अन्य गुनवत्ता संबंधी दिक्कतें।	ईपीसी संविदाकार ने सीआरआरआई-सीएसआईआर रिपोर्ट के अनुसार स्लैब बदलने सहित ज़रूरी सुधार अपने खर्चे पर किए हैं।

*****